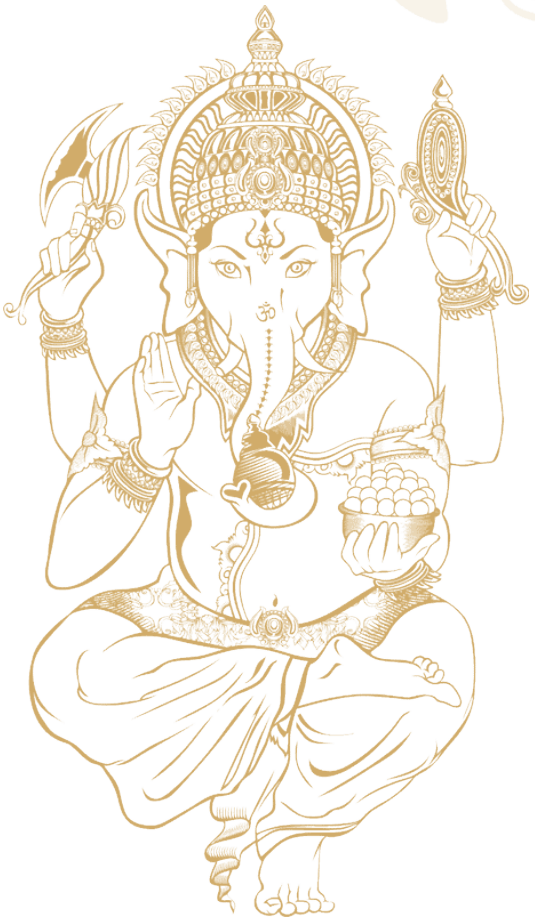

Mr.

15 Dec 1976

11:30 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121605714

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/12/1976**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	40:44:02 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:08:40 घंटे
वेलान्तर	00:04:48 घंटे
साम्पातिक काल	04:46:43 घंटे
सूर्योदय	07:12:23 घंटे
सूर्यास्त	17:20:42 घंटे
दिनमान	10:08:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:22:11 धनु
लग्न के अंश	20:39:58 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:39:58	310:11:09	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			धनु	00:22:11	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	17:23:25	14:05:14	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	24:23:49	00:44:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			धनु	19:42:47	01:17:53	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मेष	29:12:39	00:05:54	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मक	13:45:52	01:10:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	23:02:32	00:01:58	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	08:41:35	00:00:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	08:41:35	00:00:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			तुला	16:37:25	00:02:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	20:31:35	00:02:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	20:21:41	00:01:06	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
दशम भाव			वृष	19:34:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:15

लग्न-चलित

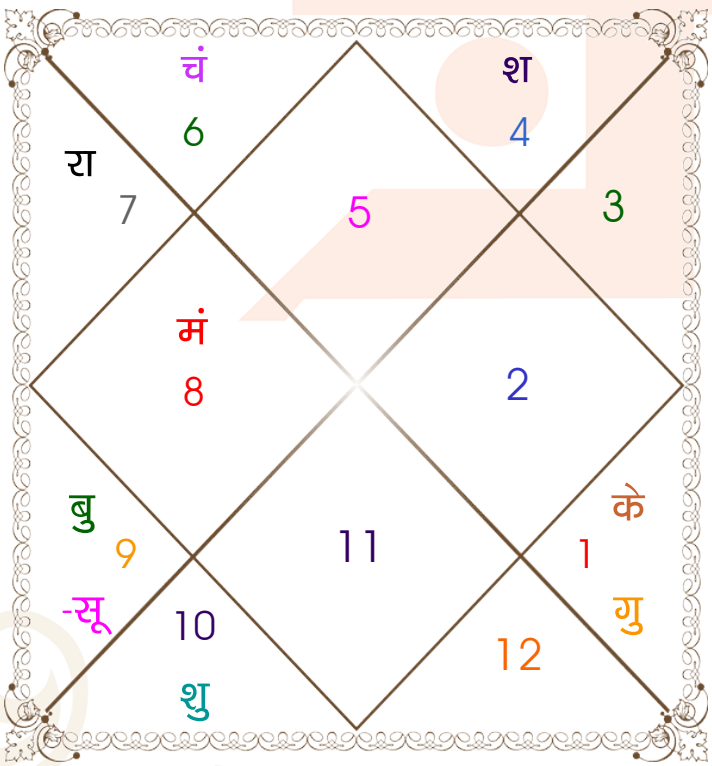

चन्द्र कुंडली

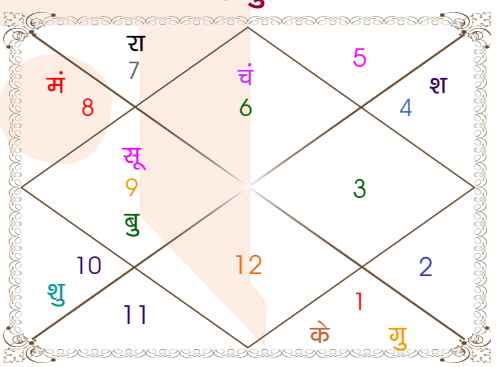

नवमांश कुंडली

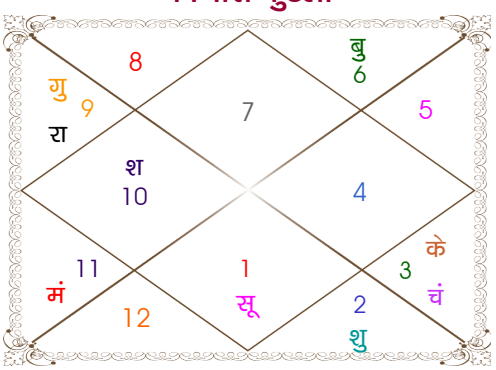

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 5 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/12/1976		01/06/1981		31/05/1988		01/06/2006		01/06/2022	
01/06/1981		31/05/1988		01/06/2006		01/06/2022		01/06/2041	
	00/00/0000	मंगल	28/10/1981	राहु	11/02/1991	गुरु	19/07/2008	शनि	04/06/2025
	00/00/0000	राहु	15/11/1982	गुरु	07/07/1993	शनि	30/01/2011	बुध	12/02/2028
	00/00/0000	गुरु	22/10/1983	शनि	13/05/1996	बुध	07/05/2013	केतु	23/03/2029
	15/12/1976	शनि	30/11/1984	बुध	30/11/1998	केतु	13/04/2014	शुक्र	22/05/2032
शनि	01/04/1977	बुध	27/11/1985	केतु	19/12/1999	शुक्र	12/12/2016	सूर्य	04/05/2033
बुध	31/08/1978	केतु	25/04/1986	शुक्र	19/12/2002	सूर्य	30/09/2017	चंद्र	03/12/2034
केतु	01/04/1979	शुक्र	25/06/1987	सूर्य	12/11/2003	चंद्र	30/01/2019	मंगल	12/01/2036
शुक्र	30/11/1980	सूर्य	31/10/1987	चंद्र	13/05/2005	मंगल	06/01/2020	राहु	18/11/2038
सूर्य	01/06/1981	चंद्र	31/05/1988	मंगल	01/06/2006	राहु	01/06/2022	गुरु	01/06/2041

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/06/2041		01/06/2058		01/06/2065		01/06/2085		01/06/2091	
01/06/2058		01/06/2065		01/06/2085		01/06/2091		00/00/0000	
बुध	28/10/2043	केतु	28/10/2058	शुक्र	30/09/2068	सूर्य	18/09/2085	चंद्र	31/03/2092
केतु	24/10/2044	शुक्र	28/12/2059	सूर्य	30/09/2069	चंद्र	20/03/2086	मंगल	30/10/2092
शुक्र	25/08/2047	सूर्य	04/05/2060	चंद्र	01/06/2071	मंगल	26/07/2086	राहु	01/05/2094
सूर्य	01/07/2048	चंद्र	03/12/2060	मंगल	31/07/2072	राहु	19/06/2087	गुरु	31/08/2095
चंद्र	30/11/2049	मंगल	01/05/2061	राहु	01/08/2075	गुरु	06/04/2088	शनि	15/12/2096
मंगल	27/11/2050	राहु	20/05/2062	गुरु	01/04/2078	शनि	19/03/2089		00/00/0000
राहु	16/06/2053	गुरु	25/04/2063	शनि	01/06/2081	बुध	24/01/2090		00/00/0000
गुरु	22/09/2055	शनि	03/06/2064	बुध	31/03/2084	केतु	01/06/2090		00/00/0000
शनि	01/06/2058	बुध	01/06/2065	केतु	01/06/2085	शुक्र	01/06/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।